विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 1 जून 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

महान वैज्ञानिक: आर्यभट्ट:

अस्माकं प्राच्य ऋषिपरम्परायाः श्रेष्ठ वैज्ञानिकाय आर्यभटस्य खगोल विज्ञान क्षेत्र योगदानम् अविस्मरणीय्। हम लोगों का प्राचीन ऋषि परंपरा के श्रेष्ठ वैज्ञानिक के लिए आर्यभट्ट का खगोल विज्ञान क्षेत्र में योगदान को याद रखनी चाहिए

सः स्व आविष्कारेण सम्पूर्णमपि संसारं कृतवान्।

वह अपने अविष्कार से संपूर्ण संसार में भी सभी को चकित किया।

सः नालन्दाविश्वविधालयस्य कुलपतिः च आसीत् ।

और वे नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति थे।

आर्यभट्स्य सर्वे ग्रन्थाः संस्कृते एव आसीत् ।

आर्यभट्ट का सभी ग्रंथ संस्कृत में ही था।

अतएव संस्कृत भाषायाः विज्ञानम् सिद्धम् अभवत्।

इसीलिए संस्कृत भाषा विज्ञान सिद्ध हुआ।

प्राचीन काले विज्ञान क्षेत्र अस्माकं देशस्य स्थानं श्रेष्ठमासीत्।

प्राचीन काल में विज्ञान क्षेत्र में हमारा देश का स्थान श्रेष्ठ था।

गौतम-कण्व-लीलावती-कणाद् प्रभृतयः महान् वैज्ञानिकाः अभवन्।

गौतम- कण्व- लीलावती- कनाद् इत्यादि महान वैज्ञानिक हुए ।

तेषु एव आर्यभटः अपि एकं महान् वैज्ञानिक अभवत् ।

उसमें ही आर्यभट्ट भी एक महान वैज्ञानिक थे।